IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जनसंख्या पारिस्थितिकी का अध्ययन

(बीकानेर जिले के सन्दर्भ में 1991–2011)

शौफीन

शोद्यार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

शोध प्रश्न पत्र

बीकानेर जिले की जनंसख्या पारिस्थितिकी का परिचयः

जनसंख्या पारिस्थितिकी, पारिस्थितिकी का एक उपक्षेत्र है जो प्रजातियों की आबादी की गतिशीलता से संबंधित है और ये आबादी पर्यावरण के साथ बातचीत करती है, जैसे जन्म दर, मृत्यु दर और आप्रावास और उत्प्रवास द्वारा।

उपमहादीप भारत के मरूस्थल को थार रेगिस्तान के नाम से जाना जाता है जो कि भारत के उत्तर–पश्चिम क्षेत्र में स्थित है। इसी क्षेत्र में बीकानेर जिला फैला हुआ है। बीकानेर जिले का विस्तार 27°11′ से 29°03′ उत्तरी अक्षांश व 71°54′ से 74°22′ पूर्वी देशान्तर तक है। जिले का कुल भौगौलिक क्षेत्रफल 30247.90 वर्ग किलोमीटर है।

सम्पूर्ण जिले का क्षेत्रफल का 99.45 प्रतिशत भाग ग्रामोण क्षेत्र तथा 0.75 प्रतिशत भाग नगरीय क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

बीकानेर जिले का जनसंख्या वितरणः

बीकानेर जिले की जनसंख्या वितरण को वर्ष 1991, 2001 व 2011 के माध्यम से दर्शाया गया है। सारणी में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में पुरूष व स्त्रीयों की संख्या बताई गई है। महिला व पुरूषो के योग में पिछले तीन दशको में आये जनसंख्या वितरण में परिवर्तन इस प्रकार हैः–

बीकानेर जिला : शहरी व ग्रामीण जनसंख्या का वितरण

शहरी				ग्रामीण			योग		
वर्ष	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग
1991	257201	223941	481142	285349	344649	62998	642550	568590	1211140
2001	339533	299676	639209	662928	598868	1261796	1002461	898544	1901005
2011	419367	381017	800384	821434	742119	1563553	1204081	1123136	2327217

आर्थिक एवं साख्यिकी निर्देशालय, जयपुर (2001–2015)

बीकानेर जिले का जनसंख्या घनत्वः

जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले लोगो की संख्या है। ये ऐसा मापदण्ड है जिसके आधार पर मनुष्य व सांस्कृतिक पर्यावरण के निरन्तर परिवर्तनशील अर्न्तसंबधों की जानकारी मिलती है।

बीकानेर जिले का जनसंख्या घनत्व सन् 1991 में 44 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलामीटर था। जो बढ़कर सन् 2001 में 61 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर एवं 2011 की जनगणना अनुसार 78 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी. हो गया है। इस प्रकार पिछले तीन दशको में जनसंख्या घनत्व में लगातार वृद्वि देखने को मिली है।

बीकानेर जिले की जनसंख्या वृद्विः

बीकानेर जिले की जनसंख्या वृद्वि 1991 में 42.70 प्रतिशत थी जो सम्पूर्ण राजस्थान की 28.44 प्रतिशत थी। जो 2001 में बढ़कर 56.96 प्रतिशत हो गयी, जो सम्पूर्ण राजस्थान की 28.33 प्रतिशत थी। वहीं 2011 में बीकानेर जिले की जनसंख्या वृद्वि पिछले 2 दशको की तुलना कम रही। 2011 में जनसंख्या वृद्वि दर 24.28 प्रतिशत थी, जो सम्पूर्ण राजस्थान की 21.31 प्रतिशत थी।

बीकानेर जिला दशकीय जनसंख्या वृद्वि दर 1991–2011

वर्ष	जनसंख्या	प्रतिशत बीकानेर	प्रतिशत राजस्थान
1991	1211140	+42.70	+28.44
2001	1901005	+56.96	+28.33
2011	2363937	+24.28	+21.31

स्रोत : बेसिक स्टेटिस्टिक्स राजस्थान (2001,2005,2011)

कार्यशील व अकार्यशील जनसंख्या

जनसंख्या को आर्थिक गतिविधियों के आधार पर मुख्यतः तीन भागो में बांटा जाता है।

1. कार्यशील जनसंख्या – 15 से 59 वर्ष का वह व्यक्ति जो वर्ष के अधिकांश समय अर्थात 183 दिन कार्य करता है। उसे कार्यशील जनसंख्या के अधीन माना जाता है।
2. अकार्यशील जनसंख्या – ऐसे व्यक्ति जिन्होंने आर्थिक गतिविधयों के अन्तर्गत कभी कार्य नही किया हो अकार्यशील माना जाता है।

3. सीमांत– ऐसे व्यक्ति को वर्ष में थोडे समय के लिये कार्य करते है, किन्तु अधिकांश समय काय मे सलंग्न नही रहते है, उन्हे सीमांत कार्य करने वाला माना जाता है।

वर्ष 1991 के अनुसार अकार्यशील जनसंख्या 69.93 प्रतिशत थी। जबकि कार्यशील जनसंख्या 28.67 प्रतिशत थी वर्ष 2001 के आंकडो के अनुसार अकार्यशील व्यकितयों की संख्या 58.72 प्रतिशत थी जबकि कार्यशील व्यक्तियों की संख्या केवल 31.82 प्रतिशत तथा सीमांत व्यक्तियों की संख्या 9.46 प्रतिशत थी। वर्ष 2011 के आंकडो के अनुसार 56.7 प्रतिशत थी जबकि कार्यशील व्यक्तियों की जनसंख्या केवल 33.8 प्रतिशत थी तथा सीमांत व्यक्तियों की संख्या 9.5 प्रतिशत रही गयी।

स्त्री–पुरूष लिंगानुपातः

प्रति हजार पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या को स्त्री–पुरूष अनुपात कहते है। लिंग अनुपात निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का एक सूचक है तथा प्रादशिक विश्लेषण के लिये अतंयत लाथदायक यंत्र है।

1991 में बीकानेर जिले का लिंगानुपात प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओ की संख्या 860 थी जो 2001 में यह संख्या बढ़कर 894 हो गयी, वहीं पिछली 2011 जनगणना के अनुसार जिले का लिंगानुपात बढकर प्रतिहजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 904 पहुंच गयी।

साक्षरता दरः

शिक्षा का मूलभूत उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना है। शिक्षा विकास एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिये महत्वपूर्ण जनांकीय कारक है। साक्षर व्यक्ति वही है जो किसी भी भाषा को समझने के साथ–साथ लिखने पढ़ने की योग्यता रखते है। यही कारण साक्षरता को सामाजिक व सास्कृतिक प्रगति का आधार माना जाता है।

वर्ष 2001 में बीकानेर जिले मे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र को मिलाकर पुरूषो व स्त्रियों की साक्षरता दर क्रमशः 80.78 तथा 57.96 प्रतिशत रही। वर्ष 2011 में पुरूषो की साक्षरता दर क्रमशः 86.58 तथा 71.24 प्रतिशत हो गयी है। पिछले दशको में जिले में साक्षरता दर में बढोतरी देखने को मिली।

निष्कर्षः

अध्ययन क्षेत्र में बीकानेर जिले की जनसंख्या पारिस्थितिकी के महत्वपूर्ण पहलुओ को समझाने का प्रयास किया गया है जैसे जनसंख्या वितरण, जनसंख्या घनत्व, जनसंख्या वृद्वि व साथ ही सामाजिक आर्थिक आयाम, जनसंख्या की व्यवसायिक सरंचना, लिंगानुपात व साक्षरता इत्यादि कारको को समझाने का प्रयास किया है।

सन्दर्भ ग्रंथः

1. जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जयपुर, 2004–05, आर्थिक एवं सांख्यिकी एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर (राज.)
2. जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जयपुर 2015, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर (राज.)।
3. सक्सेना, हरिमोहन (2020), राजस्थान का भूगोल, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
4. चांदना, आर.सी. (1998), जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
5. तिवारी, आर.सी. (2004), भारत का भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. माजिद हुसैन, (2012), मानव भूगोल, रावत पब्लिकेशन, जयपुर (राज.)।